प्रश्न – वर्तमान वैश्वीकरण के युग में विश्व की अर्थव्यवस्थाएं आपस में जुड़ रही है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सार्क (SAARC) का कितना महत्व हो सकता है? चर्चा करें। **(200 शब्द)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में वर्तमान वैश्वीकरण के युग में विश्व की अर्थव्यवस्थाएं आपस में जुड़ रही है। चर्चा करें।
- ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सार्क (SAARC) का कितना महत्व हो सकता है?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

वर्तमान युग वैश्वीकरण का युग है, जहां विश्व की प्रत्येक अर्थव्यवस्था को एक दूसरे से जुड़ा हुआ माना गया है, अर्थात् एक का प्रभाव दूसरे पर पड़ता है तथा एक दूसरे से प्रभावित हुए बिना रह भी नहीं सकती, चाहे अर्थव्यवस्था कितनी भी मजबूत क्यों न हो जैसे– ब्रिटेन का यूरोपियन यूनियन से बाहर निकलने का प्रभाव।

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सार्क महत्वपूर्ण रूप से भागीदारी की भूमिका निभा सकता है–

(i) दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों को वार्ता के लिए मंच प्रदान करता है। जैसे– भारत–पाकिस्तान को।

(ii) यह दक्षिण एशिया में विद्यमान समान समस्याओं (जैसे– शरणार्थी समस्या, औपनिवेशिक सत्ता के बाद विकास करने की समस्या, गरीबी, बेरोजगारी आदि की समस्या) के समाधान के लिए एक मंच प्रदान करता है तथा एक दूसरे को सहयोग भी उपलब्ध कराता है।

(iii) आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग आदि वैश्विक मुद्दों पर भी एक सहयोग तथा समाधान ढूंढ़ने का मंच प्रदान करता है।

(iv) सभी देश (सदस्य देश) इसमें विकासशील देश हैं, जिसमें व्यापार को बढ़ावा देने के लिए 'साफ्टा' लागू किया गया है, ताकि व्यापार में लाभ पहुंचाकर तथा सम्पूर्ण दक्षिण एशियाई बाजार का उपयोग कर यहां के उत्पाद और संस्कृतियों को एक से दूसरे देश में प्रसारित किया जा सके। इसके लिए भी यह एक मंच प्रदान करता है।

अत: हम कह सकते हैं सार्क आज के वर्तमान युग में भी प्रासंगिक है तथा इसका महत्व बना हुआ है। अत: हमें इसे बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि यह एक से दूसरे देशों में कड़वाहट को कम करता है तथा व्यापार में बढ़ावा देकर एक दूसरे के विकास में सहयोग करता है।